

वित्तीय बाजार से संबंधित महत्वपूर्ण शब्द

Notes:-1

- यदि कोई कम्पनी पहली बार लोगों के समक्ष ईश्वरिणी को बेचने का प्रस्ताव करती है तो उस प्रस्ताव को IPO (इनिशियल पब्लिक ऑफर) कहते हैं।

उस संदर्भ में कम्पनी द्वारा निवेशकों के लिए एक Prospectus जारी किया जाता है जिसे 'ड्राफ्ट रेड डेरिंग प्रॉस्पेक्टस' (DRHP) कहते हैं।

Notes:-2

IPO इनिशियल पब्लिक ऑफर के बाद में कम्पनी द्वारा लाने जाने वाले पब्लिक ऑफर को FPO (फॉलो-आन पब्लिक ऑफर) कहते हैं।

Notes:-3 OFS - (ऑफर-फार सेल)

एक इलेक्ट्रॉनिक ऑफर होता है जो जनता के समक्ष इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है।

यह केवल एक दिन के लिए खुला रहा है।
शेयर बाजार की इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था का
प्रयोग करके इसमें भागीदारी की जा
सकती है। यह Fast-track issue का एक
उदाहरण है।

भारत सरकार द्वारा विनिवेश के
लिए इसका प्रयोग करी बार किया जाता
है।

Note:-

यदि कोई कंपनी पब्लिक ऑफर लाने
के बजाय निजी निवेशकों को अपनी
ईक्विटी बेच देती है तो इसे Private Place-
ment कहते हैं।

Note:-

यदि कोई कंपनी अपनी ईक्विटी को
कुछ संस्थाओं को बेच दे और पब्लिक
ऑफर न लाये तो इसे OIP (Qualified
Institutional Placement) कहते हैं।

Note:-

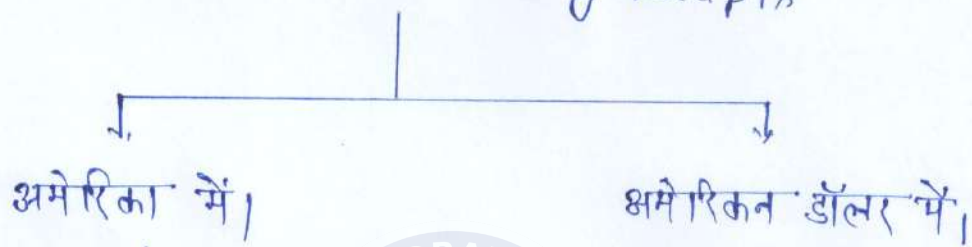
यदि कोई कंपनी पुराने ईक्विटी धारकों
को ही नई ईक्विटी ऑफर करती है तो
इसे राइट्स इश्यू (Rights-issue) कहते हैं।

यूरो निर्गमन (Euro Issues) :-

विदेशी मुद्रा में
विदेशों में पूँजी जुटाने वाले Issues।

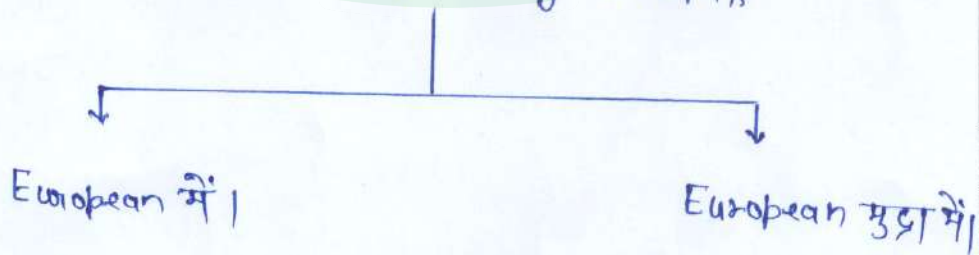
भारतीय कम्पनियों द्वारा लाये जाने वाले यूरोनिर्गमन

(i) ADR - American Depositary Receipts



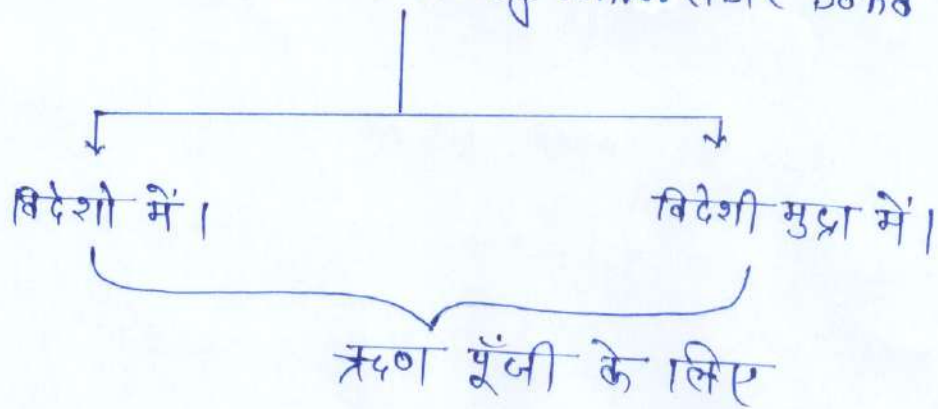
ईक्यूवीटी पूँजी के लिए

(ii) GDR - Global Depositary Receipts



ईक्यूवीटी पूँजी के लिए।

(iii) FCCB - Foreign Currency Convertible Bond



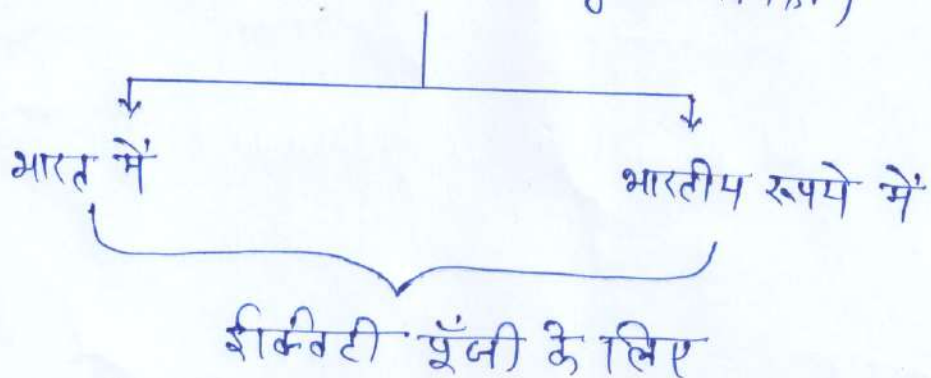
Note:-

ये बॉन्ड निवेशकों को एक निश्चित समय के बाद शेयरों में परिवर्तित करने का विकल्प देते हैं।

विदेशी कंपनियों द्वारा भारत में लाये जाने वाले पूरे निगमन :

IDR / BhDR

(Indian / Bharat Depository Receipts.)



डीमैट (Demat) :-

वह प्रक्रिया जिसमें शेयरों की बॉन्ड आदि के भौतिक स्वरूप को समाप्त करके उन्हें इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में बदला जाता है, इससे शेयरों की खरीद या उनका लेन-देन करना आसान हो जाता है।

उपरोक्त सन्दर्भ में लोगों को एक खाता खोलवाना होता है जिसे Demat A/C कहते हैं।

Depository :- निक्षेप-निधी

संस्थाओं को निक्षेप-निधी कहते हैं।

भारत की शेयर बाजार में निम्न दो संस्थाएँ निक्षेप-निधी के रूप में कार्य कर रही हैं।

- (i) NSDL = National Securities Depository Ltd.
- (ii) CDSL = Central Depository Services of India Ltd.

Speculation - सट्टा :

भविष्य में होने वाले कीमत परिवर्तनों से लाभ उठाने के लिए वर्तमान में शिक्कीरी, वस्तु आदि का लेन-देन करना।

जो लोग ऐसा करते हैं उन्हें सटोरिया (Speculators) कहते हैं।

यह दो प्रकार के होते हैं।

(i) Bull (तेजगिया) :-

ऐसे सटोरिया जो भविष्य में कीमत बढ़ने का अनुमान लगाते हैं और वर्तमान में शिक्कीरी, वस्तु की खरीदने के सौदे करते हैं।

(ii) Bears (मंदगिया) :-

ऐसे सटोरिया जो भविष्य में मंदी का अनुमान लगाते हैं और वर्तमान में बेचने के सौदे करते हैं।

Note:- Short Sellers एक प्रकार के मंदगिया होते हैं।